सदा रहेगा आपके

ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

भूलो मत भगवान को, मात-पिता के साथ ।
सदा रहेगा आपके, सिर पर उनका हाथ ।।-1

तेरे बल सामर्थ्य का, कोई ओर न छोर ।
बैठा है क्यों हार के, निश्चित होगी भोर ।।-2

जैसे को तैसा बनो, यह दुनिया की रीत ।
तू तो लेकिन वावरे, फैलाता चल प्रीत ।।-3

जग में कोई है नहीं, अजर अमर सुन 'राज' ।
चाहे निपट गरीब हो, या रखता हो ताज ।।-4

तेरे जैसा जगत में, कोई नहीं महान ।
लेकिन तुझको है नहीं, मन में कतई गुमान ।।-5

मैं तो तेरौ दास हूं, चरण पडौ़ दिन रात ।
कबहूँ तौ हम सौं करौ, नैनन में ही बात ।।-6

डाली पर फल फूलता, मगन मुदित मन बीच ।
आ धरती पर सोचता, माया ममता कीच ।।-7

कटते जाते रोज ही, सरिता, पर्वत, रूख ।
जाने कब बुझ पायगी, इंसानों की भूख ।।-8

लालच सिर चढ़ बोलता, लाभ हानि को भूल ।
ख्वाबों में खिलते सदा, मधुर फलों के फूल ।।-9

आजादी हमको मिली, मन मोहक अनमोल ।
वीर बांकुरे दे गए, बलिदानों से तोल ।।-10

महेश चंद्र शर्मा 'राज'
पिता :- स्व. श्री श्रीनाथ शर्मा
जन्मतिथि:- 03/08/1969
शैक्षिक योग्यता :- एम.ए.(अर्थशास्त्र), बी. एड.
व्यवसाय :- लेखाकार
साहित्यिक यात्रा :- काव्य कार्नर फाउंडेशन, लोक साहित्य कलाकार समिति, आनंद समूह अटूट रिश्ते, लम्हे जिंदगीके, राष्ट्रवादी साहित्यकार संघ इत्यादि साहित्यिक समूहों में सक्रिय भूमिका
विधा:- सभी विधाओं में लेखन खासकर दोहा, कुंडलियां, रोला, घनाक्षरी, चौपाई, मुक्तक, गीत इत्यादि
प्रकाशित रचनाएं :- ब्रह्मसुधा, साहित्य आंगन, पुष्पांजलि, आधिति, साहित्यनामा, बाल किरण आदि पुस्तकों में सतत ही रचनाएं प्रकाशित होती रहती हैं
प्रकाशित पुस्तक :- एक पुस्तक शीघ्र प्रकाशाधीन
सांझा काव्य संग्रह :- अमर्तय, तितलियां तथा एक अन्य सांझा संग्रह है प्रकाशाधीन ।
पता:- पर्वतीय कालोनी, फरीदाबाद
मूल निवास :- बलदेव (मथुरा)
ई मेल:- mcshreenath69@gmail.com